वर्ष 2025 के लिये महाकुंभ की तैयारी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार वर्ष 2025 में होने वाले भव्य दिव्य **महाकुंभ** के लिये कार्य कर रही है।

मुख्य बिंदु:

- राज्य सरकार बड़े धार्मिक आयोजन में शामिल होने वाले **आगंतुकों के लिये** बेहतरीन सुविधाएँ तैयार कर रही है।
  - कुंभ क्षेत्र में **आवास की व्यवस्था** के अलावा शहर में **लग्जरी होटलों का निर्माण** किया जा रहा है।
- कुंभ मेला **यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की प्रतिनिधि सूची में आता है**
- कुंभ मेला पृथ्वी पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण जमावड़ा है, जिसके दौरान यात्री पवित्र नदी में स्नान करते हैं या डुबकी लगाते हैं।
  - यह **नासिक में गोदावरी नदी** के तट पर, **उज्जैन में शिप्रा नदी** के तट पर, **हरिद्वार में गंगा** के तट पर और **प्रयागराज में गंगा, यमुना तथा पौराणिक नदी सरस्वती** के संगम स्थल पर होता है। गंगा, यमुना तथा सरस्वती के संगम स्थल को **'संगम'** कहा जाता है।
- चूँकि यह भारत के चार अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है, इसमें विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल होती हैं जो इसे **सांस्कृतिक रूप से विविध त्योहार** बनाती हैं।
- एक **महीने तक चलने वाले इस मेले** की विशेषता एक विशाल टेंट वाली टाउनशिप का निर्माण है, जो कॉटेज, झोपड़ियों, प्लेटफॉर्मों, नागरिक सुविधाओं, प्रशासनिक और सुरक्षा उपायों से परिपूर्ण है।
  - इसे सरकार, स्थानीय अधिकारियों और पुलिस द्वारा व्यवस्थित रूप से आयोजित किया जाता है।
- यह मेला विशेष रूप से वनों, पहाड़ों और गुफाओं में दूरदराज़ के स्थानों से आए **धार्मिक तपस्वियों की एक असाधारण शृंखला की उपस्थिति के लिये प्रसिद्ध है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/preparations-for-maha-kumbh-2025